भजन

तर्ज–नसीब में जिसके जो लिखा है

करीब हक के वो ही हुआ है,इस राह पे जिसने चल के दिखाया
हक दिल की न्यामत उसी ने पाई,ये खेल फना का जो छोड़ आया

1–दीन ले लो या लो दुनी को,ये फैसला अब करना तुम्हे है
भला बुरा सब तुम जानते हो,अब इतने अन्जान तुम नही हो

2–जो रूह अर्श की हो वो समझ ले,वचन पिया के सिर अपने ले ले
जाग चलो ना देर करो तुम,अखंड सुख जो लेना पिया का

3–ये वाणी हमको राह दिखाती,पिया के दिल के राज बताती
निसबत अपनी इससे परख लो,इससे है हक का फुरमान आया